शहर में आज की जाएगी गुरु की वंदना

- गुफा मंदिर समेत अनेक स्थानों पर होंगे कार्यक्रम
- गायत्री मंदिर में महायज्ञ और दीक्षा संस्कार

निज संवाददाता

भोपाल, 28 जुलाई. गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व सदैव यह स्मरण कराता है कि ज्ञान का प्रकाश तभी सार्थक है, जब उसके साथ विनम्रता और कृतज्ञता भी जुड़ी हो. इसी भावना के साथ बुधवार को शहर में विभिन्न विधाओं के गुरुजनों को उनके शिष्यों द्वारा श्रद्धापूर्वक याद किया जाएगा. कई स्थानों पर गुरु वंदना, चरण पूजन और स्मरण कार्यक्रम आयोजित कर गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को रेखांकित जाएगा.

गुरु पूर्णिमा पर गुफा मंदिर में सुबह से गुरु दीक्षा और गुरु वंदना के साथ विशेष अनुष्ठान किए जाएंगे, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे.गायत्री मंदिर में 24 कुंडी गायत्री महायज्ञ, गुरु पद

पूजन, दीक्षा संस्कार और शताब्दी वर्ष अभियान के तहत जनजागरण कार्यक्रम होंगे. वृक्ष गंगा अभियान के अंतर्गत पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा. दादाजी धाम में 16 वर्ष पुराने त्रिवेणी वृक्ष का पूजन किया जाएगा, जिसे पर्यावरण संरक्षण और गुरु परंपरा के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है. यहां श्रद्धालु गुरु चरणों में समर्पण भाव के साथ पूजा-अर्चना करेंगे.

सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

संस्कृति विभाग द्वारा जनजातीय संग्रहालय में शाम 6.30 बजे से सांस्कृतिक संध्या आयोजित होगी. कार्यक्रम की शुरुआत कर्नाटक के युवा गायक सिद्धार्थ बेलमन्यू के शास्त्रीय गायन से होगी, जो अपने गुरु से प्राप्त परंपरा को मंच पर प्रस्तुत करेंगे. इसके पश्चात कथक नृत्यांगना डॉ निवेदिता पण्ड्या इंदौर अपने दल के साथ समूह नृत्य और नृत्य-नाट्य की प्रस्तुति देंगी.

गुरु सुरेंद्र सिंह की प्रेरणा से चोट के बाद मैंने फुटबॉल को करियर बनाया. पिता को पहला गुरु मानते हुए अनुशासन और मेहनत की सीख को प्राप्त किया.

-देवेन्द्र सिंह, फुटबॉल कोच

कलाकारों ने गुरु को किया याद

मेरी गुरु देवयानी घोष, जो ऑल इंडिया रेडियो में प्रस्तुति दे चुकी हैं, उन्होंने मुझे सिखाया कि कठिन समय में डरकर नहीं, बल्कि साहस से गाना चाहिए .उनका कहना था रोज रियाज़ और धैर्य ही सफलता की कुंजी है. उन्होंने मुझे संगीत के साथ जीवन जीने का सही तरीका भी सिखाया.

नंदनी सोमानी, लाइट क्लासिकल संगीत गायिका

गुरु पूर्णिमा मेरे लिए आभार का दिन है. अपने पीएचडी सुपरवाइजर प्रो .देवव्रत सिंह को याद करते हुए कहूंगी कि उन्होंने सिर्फ मार्गदर्शन नहीं दिया, बल्कि कठिन समय में परिवार जैसा साथ दिया. उनकी संवेदनशीलता और सहयोग से ही मैं अपना शोध कार्य समय पर पूरा कर पाई.

-डॉ .विशाखा, लेखिका

गुरु वनश्री राव ने सिखाया कि नृत्य सिर्फ कला नहीं, जीवन जीने का तरीका है. उनकी दी अनुशासन और समर्पण की सीख ने मुझे वकालत छोड़कर कुचिपुड़ी अपनाने की हिम्मत दी. आज मेरी हर प्रस्तुति उन्हें समर्पित है, क्योंकि मैं मंच पर उनके संस्कारों और विश्वास का प्रतिनिधित्व करता हूं.

- वशीम राजा, कुचिपुड़ी नृत्य कलाकार

गुरु पूर्णिमा पूरे जीवन का उत्सव है : गिरीश

महर्षि महेश योगी संस्थान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव

नवभारत न्यूज

भोपाल, 28 जुलाई. महर्षि महेश योगी संस्थान, में मंगलवार से दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का शुभारंभ गुरु परंपरा पूजन एवं शांति पाठ के साथ हुआ. कार्यक्रम में महर्षि संस्थानों और महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक या दो दिन का पर्व नहीं, बल्कि पूरे जीवन का उत्सव है. उन्होंने कहा कि भारतीय वैदिक परंपरा में गुरु का स्मरण कर नृत्य, गायन, वादन और गुरु वंदना के माध्यम से कृतज्ञता व्यक्त की जाती है. उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर शिष्य अपनी वर्षभर की उपलब्धियां गुरुचरणों में समर्पित कर नए संकल्पों के लिए आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. कार्यक्रम में महर्षि महेश योगी का रिकॉर्डेड संदेश भी प्रसारित किया गया, जिसमें वैदिक ज्ञान परंपरा, भावातीत ध्यान और ध्यान सिद्धि के महत्व पर प्रकाश डाला गया.सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत भजन गायिका डॉ. रिंददाना रहस्य ने गणेश वंदना और गुरु वंदना सहित भजनों की प्रस्तुति दी. उन्हें तबले पर पंडित अनूप घोष, हारमोनियम पर डॉ. आशीष कुमार, बांसुरी पर अतुल शंकर, सितार पर अंडवी जी तथा मनोज सिंह बारोलिया ने संगत दी. नृत्यांगना मुक्तिश्री एवं उनके दल ने कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी.

स्कूल-कॉलेज में मनाया जाएगा सांदीपनि गुरु पर्व

भोपाल, 28 जुलाई (निज संवाददाता). गुरु पूर्णिमा पर बुधवार को महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व मनाया जाएगा. प्रदेशभर में स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में गुरु पूजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और छात्र-शिक्षक संवाद होंगे. इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना शुरू की जाएगी .योजना के तहत 102 छात्रों को एक-एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी. संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रतियोगिता 14 विद्याओं, 64 कलाओं और भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित होगी.

एक नजर में

अमरनाथ यात्रा के लिए 21 श्रद्धालु रवाना

भोपाल, 28 जुलाई (निज संवाददाता). अमरनाथ यात्रा के लिए शिव भक्तों का एक और जत्था रवाना हुआ. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के अनुसार 21 श्रद्धालुओं का 15वां दल मालवा एक्सप्रेस से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए निकला .जत्थे का नेतृत्व प्रकाश पाटिल कर रहे हैं. संस्था के मुताबिक इस दल में अलग-अलग आयु वर्ग के श्रद्धालु शामिल हैं, जिनमें 69 वर्षीय राजकुमार राही भी यात्रा पर गए हैं. यात्रा से पहले श्रद्धालुओं को पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर और माला पहनाकर विदाई दी गई .विदाई के दौरान बड़ी संख्या में मंडल के सदस्य और परिजन स्टेशन पर मौजूद रहे .आयोजकों ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी मंडल की ओर से चरणबद्ध तरीके से जत्थे भेजे जा रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को सुविधाजनक तरीके से यात्रा कराई जा सके.

मानव संग्रहालय में रौपे 1001 पौधे

भोपाल, 28 जुलाई. महापौर मालती राय ने मंगलवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में पौधरोपण किया. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से सामूहिक रूप से 1001 पौधे लगाए गए. पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन करुणाधाम आश्रम और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के सहयोग से किया गया. महापौर ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया .कार्यक्रम में करुणाधाम आश्रम के पीठाधीश्वर गुरुदेव सुदेश शांडिल्य महाराज, एडीजी (रेल) राजाबाबू सिंह, जोन अध्यक्ष आरती अनेजा, वरिष्ठ समाजसेवी अरुणेश्वर सिंहदेव (बाबा) सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. पौधरोपण के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया.

नगर में आज

व्याख्यान एवं पावस गोष्ठी

समय- दोपहर 3 :00 बजे, **स्थान-** विश्व संवाद केंद्र

गुरु पूर्णिमा पर्व

समय- शाम 6 :30 बजे, **स्थान-** जनजातीय संग्रहालय

चातुर्मास में आत्मसंयम और साधना पर जोर

- राग और द्वेष ही हिंसा की असली वजह हैं : आचार्यश्री

निज संवाददाता

भोपाल, 28 जुलाई. एमपी नगर स्थित जैन मंदिर चातुर्मास प्रवचनों के दौरान आचार्यश्री समयसागर जी ने चातुर्मास के महत्व पर कहा कि इस समय का मकसद बाहरी दिखावे से ज्यादा भीतर की साधना को मजबूत करना है. उन्होंने बताया कि वर्षाकाल में सूक्ष्म जीवों की रक्षा और अहिंसा के पालन के लिए साधु एक ही स्थान पर रहकर साधना करते हैं, जिसे चातुर्मास कहा जाता है.

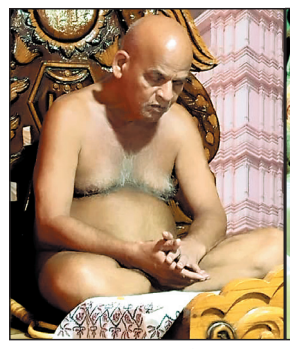

प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि मन के भीतर पैदा होने वाले राग और द्वेष ही हिंसा की असली वजह बनते हैं. इनके नियंत्रण के लिए आत्मचिंतन, प्रायश्चित और संयम जरूरी है. उनके मुताबिक साधु जीवन भी पूरी मर्यादाओं के साथ चलता है और हर काम नियमों के अनुसार किया जाता है.उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों में आकर्षण और मोह ज्यादा बढ़ रहा है, ऐसे में आत्मसंयम और समझदारी की जरूरत पहले से ज्यादा है. परिवारों को भी बच्चों को सिर्फ सुविधाएं देने के बजाय अच्छे संस्कार देने पर ध्यान देना चाहिए.आचार्यश्री ने समय के महत्व पर भी जोर दिया.

नेत्र शिविर में 176 लोगों की जांच

सेवा सदन और मेला समिति के सहयोग से हुआ आयोजन

संत नगर प्रतिनिधि

संत नगर, 28 जुलाई. सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय एवं भोपाल उत्सव मेला समिति के सहयोग से सोनागिरी स्थित बालाजी फ्रैक्चर हॉस्पिटल में नि:शुल्क नेत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया.

शिविर का शुभारंभ पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने किया. इस अवसर पर आयुष्मान भारत योजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह, एडीजी रेल पुलिस राजा बाबू सिंह, सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. शिविर में 95 पुरुष एवं 81 महिलाओं सहित कुल 176 लोगों की नेत्र जांच की गई. परीक्षण के दौरान 67 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई, जिन्हें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है. उनके ऑपरेशन किए जाएंगे. अगला नि:शुल्क नेत्र शिविर 2 अगस्त को गणेश मंदिर, छोला रोड, भोपाल में आयोजित किया जाएगा. इस अवसर पर डॉ. महेश गुप्ता, संजय मेड़तिया, कमलेश गुप्ता, मनोज गुप्ता, अरविंद जैन, अजय सोगानी, कमल जैन, नारायण सिंह कुशवाह, डॉ. योगेंद्र मुखैया, वीरेंद्र कुमार जैन, श्याम मंगल, ट्रस्टी सुरेश भावतरमानी उपस्थित थे.

नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प

- संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस दें : टीआई गौतम

संतनगर 28 जुलाई. 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत बैरागढ़ थाना पुलिस ने शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के नवीन ऑडिटोरियम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया. इस अवसर पर सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग का संकल्प लिया.

कार्यक्रम में थाना प्रभारी अशोक गौतम ने कहा कि नशे के कारोबार पर प्रभावी रोक तभी लग सकती है, जब आम नागरिक भी पुलिस का सक्रिय सहयोग करें. कार्यक्रम में सोसायटी के बस चालक, परिचालक, प्रिंसेस इंचार्ज, हेल्पर्स, केयरटेकर और स्वीपर्स को नशे के दुष्प्रभावों और साइबर अपराधों से बचाव के बारे में जानकारी दी गई. उन्होंने सभी से गुटखा और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा अपने परिवार और बच्चों को भी इस बुराई से बचाने की अपील की. कार्यक्रम में प्राचार्य अमृता मोटवानी, ए.एन. मणिकदंतेन, सोसायटी के सेक्रेटरी घनश्याम मूलचंदानी, ट्रांसपोर्ट मैनेजर विनोद सालालानी, शिक्षाकर्मी और बस चालक एवं हेल्पर्स उपस्थित रहे.

चित्रकार अफजल की याद में होगा कला व्याख्यान

भोपाल. चित्रकार अफजल खान की स्मृति में 'स्मरण अफजल' व्याख्यान का आयोजन देवास में 6 अगस्त को शाम 4 बजे होटल श्री खेड़ापति इंटरनेशनल में होगा. देशभर के चित्रकार, कला विशेषज्ञ और साहित्यकार इसमें शामिल होकर अफ़ज़ल के कला योगदान पर चर्चा करेंगे. व्याख्यान में अफजल की चित्रकला, अमूर्त शैली और उनके प्रयोगों पर वक्ता अपने विचार रखेंगे. इस अवसर पर अफजल पर प्रकाशित मोनोग्राफ का लोकार्पण किया जाएगा और उनके चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी. दूसरे सत्र में स्थानीय रचनाकारों का काव्य पाठ होगा.

युवाओं को रोजगार सृजन की ओर बढ़ने की सलाह

निज संवाददाता

भोपाल, 28 जुलाई. 'नरवाई से उद्योग' प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर वैज्ञानिक डॉ. राजकुमार मालवीय ने युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार पैदा करने की दिशा में आगे बढ़ने की बात कही. उन्होंने कहा कि गांवों में उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग कर छोटे उद्योग खड़े किए जा सकते हैं, जिससे रोजगार के नए मौके बनेंगे. ग्राम लसूड़िया कांगर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद किसानों और युवाओं को संबोधित करते हुए मालवीय नरवाई जलाने की समस्या पर भी बात रखी. उनके अनुसार खेतों में बचा कृषि अवशेष जलाने से पर्यावरण को नुकसान होता है.

इंटर क्लब क्रिकेट की टीमें घोषित

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 28 जुलाई. 2026-27 सत्र के भोपाल डिवीजन इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी ने अंडर-15 और अंडर-18 वर्ग की संभावित टीमों की घोषणा कर दी है.

अंडर-15 वर्ग के संभावित खिलाड़ियों में अभिषेक यादव, अक्षय यादव, अंश साहू, दक्ष सक्सेना, प्रियांश लोधी, देवेश ठाकुर, हर्ष आर्या, कबीर अग्रवाल, जयेश यादव, समर मकवाना, कृष्णा यादव, वंश बाथम, मनुमय रघुवंशी और अन्य खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. अंडर-18 वर्ग की टीम में सजान सलमानी, अनमोल मुंडा, केविन जोशाप, आदर्श नागर, मोहम्मद आशिफ, लकी यादव, प्रीतम पाटिल, देवांग मीणा, आर्यन खंडेलवाल, लक्ष्य सोनी, देवेश ठाकुर, श्लोक गौतम, विश्वजीत शाक्य हैं.हेड कोच ठाकुर पंकज कुमार ने बताया कि अभ्यास सत्र और प्रदर्शन के आधार पर अंतिम टीम तय की जाएगी.

आयुर्वेद को बढ़ाने वैज्ञानिक आधार पर शोध जरूरी

- आयुर्वेद अनुसंधान पर तीन दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम

निज संवाददाता

भोपाल, 28 जुलाई. एलएन आयुर्वेद कॉलेज एंड हॉस्पिटल में तीन दिन की राष्ट्रीय कार्यशाला में देशभर से आए शोधार्थियों और शिक्षकों को आयुर्वेदिक शोध और आंकड़ों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी गई.

यह कार्यक्रम केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया. आयोजकों के अनुसार इसका उद्देश्य आयुर्वेद में बेहतर और प्रमाण आधारित शोध को बढ़ावा देना है.

समापन सत्र में केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक प्रो. वैद्य रबिनारायण आचार्य ने कहा कि आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक आधार पर शोध जरूरी है. अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से प्रतिभागियों को अपने शोध कार्य को बेहतर बनाने में मदद मिलती है. विशेषज्ञों ने शोध की रूपरेखा बनाने, नमूना आकार तय करने, डाटा को समझने और शोध पत्र लिखने जैसे विषयों को आसान भाषा में समझाया.

मंचन | स्वप्न और प्रेम की कहानी बनी 'स्वर बिंब' की प्रस्तुति

नाटक में प्रेम और विरह की अनुभूति को दिखाया

निज संवाददाता

भोपाल, 28 जुलाई. रंगश्री लिटल बैले ट्रूप (एलबीटी) के मंच पर मंगलवार को बैले 'स्वर बिंब' का मंचन किया गया. नृत्य नाटिका में प्रेम, वियोग और अधूरी चाहत की कहानी को नृत्य और संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया.

प्रस्तुति में एक ऐसे नायक की कहानी दिखाई गई जो अपनी प्रेमिका को पाने में असफल रहता है. बिना पारंपरिक कहानी क्रम के कलाकारों ने भाव, संकेत और नृत्य के जरिए दर्शकों तक कथा पहुंचाई. मंचन में स्वप्न जैसे दृश्यों के माध्यम से प्रेम और विरह की अनुभूति को दिखाया गया. इस बैले की परिकल्पना प्रभात गांगुली ने की, जबकि दृश्य संयोजन कवि-नाटककार राजेश जोशी ने किया. नृत्य निर्देशन और कोरियोग्राफी प्रताप महंता ने की. मंच पर नायक की भूमिका प्रताप महंता और नायिका की भूमिका पद्मा सोनकर ने निभाई.पूरी प्रस्तुति जापानी संगीतकार कोजीकी कितरो के संगीत पर आधारित रही. कार्यक्रम में दीप्ति, मोनिका, किरण, प्रतिभा, गुरप्रीत, मधुस्मिता, उपेंद्र, दयानिधि, लक्ष्मण और संजय सहित अन्य कलाकारों ने भाग लिया. दर्शकों ने प्रस्तुति में नृत्य, संगीत और अभिनय के तालमेल को सराहा.